

शास्त्री-षष्ठसत्रार्थ-षष्ठपत्रम्  
॥निरुक्तम्॥

- |           |   |
|-----------|---|
| प्रश्नः१  | अतिस्तुतयः कुत्राचक्षते?  |
| उत्तरम्   | त्रयोदशाध्याये।   |
| प्रश्नः२  | त्वमग्नेद्युभिस्त्वमाशुशुक्षणिरित्यतिस्तुतिः कुत्र?             |
| उत्तरम्   | ऋग्वेदे संख्या २.५-२७-२ गृत्समदृष्टं।                           |
| प्रश्नः३  | यदित इन्द्रशतं दिवः शतं भूमयः प्रतिमानस्युरिति कस्याति स्तुतिः? |
| उत्तरम्   | इन्द्रस्य।  |
| प्रश्नः४  | ‘नेन्द्रं देवममंसत’ एषातिस्तुतिः?                               |
| उत्तरम्   | आदित्यरश्मीनाम्।  |
| प्रश्नः५  | कतमानि वाक्चत्वारि पदानि, आर्षमते।                              |
| उत्तरम्   | ओङ्कारो महात्याहतयश्चेत्यार्षम्।                                |
| प्रश्नः६  | नामाख्याते चोपसर्गनिपाताश्चेति कस्यमतम्।                        |
| उत्तरम्   | वैयाकरणानाम्।   |
| प्रश्नः७  | तुरीयं वाचः के वदन्ति?  |
| उत्तरम्   | मनुष्याः।   |
| प्रश्नः८  | चत्वारि शृङ्गेति क एते सन्ति?                                   |
| उत्तरम्   | वेदाः।  |
| प्रश्नः९  | मन्त्रः कल्पोब्राह्मणं चतुर्थी व्यावहारिकीति केषां मान्यता?     |
| उत्तरम्   | याज्ञिकानाम्।   |
| प्रश्नः१० | सप्तछन्दांसि के?  |
| उत्तरम्   | यज्ञात्मकस्याग्नेः हस्ताः।                                      |
| प्रश्नः११ | ऋचोयज्ञौषि सामानि चतुर्थी व्यावहारिकीति के समामनन्ति?           |
| उत्तरम्   | नैरुक्ताः।  |
| प्रश्नः१२ | पारोवर्यवित्सुखलु वेदितृषु कः प्रशस्यो भवति?                    |
| उत्तरम्   | भूयोविद्याः।  |
| प्रश्नः१३ | श्रुतिमतिबुद्धिशब्देन किमाख्यायते?                              |
| उत्तरम्   | शास्त्रविज्ञानप्रभवाविद्या।                                     |

**प्रश्नः१४** ताद्भाव्यम् इति पदस्य कोऽर्थः?

उत्तरम् सायुज्यम्।

**प्रश्नः१५** अनुभवत्यनुभवतीति द्विरुक्तिः कथं?

उत्तरम् इयं ग्रन्थसमाप्तिसूचिका भवति।

**प्रश्नः१६** ब्राह्मणा इत्यस्य कोऽर्थः?

उत्तरम् अधिगतमन्त्रार्थतत्त्वाः।

**प्रश्नः१७** मन्त्रार्थचिन्ताभ्यूहितं किं प्रायच्छन्?

उत्तरम् एतत् तर्कशास्त्रं ऋषिं प्रायच्छन् येन सर्वतो भावेन शक्यन्ते भ्यूहितुं मन्त्रार्थाः तस्मै।

**प्रश्नः१८** मन्त्रार्थचिन्ताभ्यूहोऽभ्यूहोऽपि श्रुतितोऽपि तर्कतोऽपि वा?

उत्तरम् क्वचिच्छ्रुतितोऽपि तर्कतश्च।

**प्रश्नः१९** समासते इत्यस्यार्थः कः?

उत्तरम् अपुनरावृत्या स्वरूपेऽवस्थानं समासनम्।

**प्रश्नः२०** व्योमन् इति किम्।

उत्तरम् विविधं हि शब्दजातमस्मिन्नोत्प्रोत्ज्वेति व्योम, तस्मिन् तिसृषु मात्रासु अकार, उकार, मकार, लक्षणासूपशान्तासु यदव शिष्यते तदक्षरं परम व्योमन् इति।

**प्रश्नः२१** सर्वे देवाः कुत्र निषेदुः?

उत्तरम् प्रणवस्य सर्वमात्रात्मकत्वात् ब्रह्माधिष्ठानत्वाद्वा सर्वदेवानां ब्रह्मणि निवासः।

शास्त्री-षष्ठसत्रार्थ-षष्ठपत्रम्  
॥पारस्करगृह्यसूत्रम्॥

- |           |   |
|-----------|---|
| प्रश्नः१  | पारस्करगृह्यसूत्रे कियन्ति काण्डानि।  |
| उत्तरम्   | त्रीणि।   |
| प्रश्नः२  | तृतीयकाण्डस्य नवम्यां कण्ठिकायां कः विषयः निगदितः?  |
| उत्तरम्   | वृषोत्सर्गः।  |
| प्रश्नः३  | वृषोत्सर्गयज्ञः कीदृक्कर्म?   |
| उत्तरम्   | काम्यकर्मेति।   |
| प्रश्नः४  | वृषोत्सर्गकालः कः?  |
| उत्तरम्   | कर्त्तिक्यां पौर्णमास्यां रेवत्यां वास्वयुजस्य चैत्रामाशवयुज्यां वा कर्त्तव्यकालः।  |
| प्रश्नः४  | एष वृषोत्सर्गविधिः कस्मादाचर्यते?   |
| उत्तरम्   | स्वर्गादिकामस्य औपासनाग्नौ सागिनकेन क्रियते।  |
| प्रश्नः६  | उदककर्म किमुच्यते?  |
| उत्तरम्   | उदकेनकर्मक्रिया, अञ्जलिदानमिति।   |
| प्रश्नः७  | अद्विवर्षे प्रेते मातापित्रौराशौचं कियत्कालिकं?   |
| उत्तरम्   | एक रात्रं त्रिरात्रं वा।  |
| प्रश्नः८  | इतरेषां सजातीयानां कालः?  |
| उत्तरम्   | शौचमेवेतरेषां, स्नानादिभिरेव शुद्धिः।   |
| प्रश्नः९  | प्राचीनावीतिनः के?  |
| उत्तरम्   | प्राचीनावीतं विद्यते येषां ते प्राचीनावीतिनः कृतापसव्या इत्यर्थः।   |
| प्रश्नः१० | अवनेजनप्रत्यवनेजने इत्यस्य कोऽर्थः?   |
| उत्तरम्   | श्राद्धेपिण्डदानार्थमास्तृत कुशस्य जलेन सेचनं, ततः पिण्डदानं पुनः जलेनसेचनं प्रत्यवनेजनमिति।  |
| प्रश्नः११ | चतुर्थस्य निवृत्तिः इत्यस्य कोऽर्थः।  |
| उत्तरम्   | पितापितामहप्रपितामहेभ्यो हि पिण्डदानं, सपिण्डीकरणे कृते सति चतुर्थस्य वृद्धप्रपितामहस्य निवृत्तिः, 'त्रिषु पिण्डः प्रवर्तते' इति स्मृतिः। |
| प्रश्नः१२ | नद्यन्तरे नावं कारयेन्नवा इत्यस्य कोऽर्थः?  |
| उत्तरम्   | एकादशोह्नि नद्यन्तरे गोपशः आलभेत नवा आलभेत।   |
| प्रश्नः१३ | निक्रियति केन यज्ञेन यजेत?  |
| उत्तरम्   | पाक यज्ञेन।   |

- प्रश्नः१४** सभा समितिश्च कस्य दुहितरौ?  
उत्तरम् प्रजापतेः।
- प्रश्नः१५** अथातो रथारोहणं कुत्र प्राप्यते?  
उत्तरम् चतुर्दशीकण्डकायाम्।
- प्रश्नः१६** हस्त्यारोहण मन्त्रः कः?  
उत्तरम् हस्तिनमधिमृशन्- “हस्तियशसमसि हस्तिवर्चसमसि स्वस्ति मा सम्पारय” इति।
- प्रश्नः१७** अनिराकरणं पदस्य कोऽर्थः?  
उत्तरम् अविस्मरणं कर्म, अधीतविद्याया येन परित्यागो न भवेत्।
- प्रश्नः१८** अथातोऽधीत्याधीत्येति कुत्र प्राप्यते?  
उत्तरम् षोडशी कण्डकायाम्।
- प्रश्नः१९** औरसाः के वर्णाः?  
उत्तरम् हकाररहिताः वर्गपञ्चमान्तस्थाः।
- प्रश्नः२०** दन्त्याः के?  
उत्तरम् दन्तेषु भवाः, लृतु लसानां दन्ताः।